10. "राजस्थान पत्रिका" में 'आओ गाँव चले' शीर्षक से श्री कृष्ण 'जुगनू' तथा सुधीर भटनागर के कई लेख निरन्तर प्रकाशित हुए हैं जिनमें दशोरा जाति के कई गाँवों का वर्णन हैं जिनमें घ.घसा, घोसुण्डी, पंचदेवला, सांवता, मालीखेड़ा तथा बेठूम्बी का वर्णन हैं। ये वर्णन 9.5.92, 20.3.91, 15.7.91, 16.5.92 आदि के अंकों में प्रकाशित हुए है।

11. उदयपुर से प्रकाशित होने वाले 'प्रातःकाल' पत्र में दिनांक 17.4.2005 में श्री नारायण लाल शर्मा का एक लेख "मेवाड़ महिमा" के अन्तर्गत "मेवाड़ के गौरव 55" नाम से प्रकाशित हुआ है जिसमें महेश्वर भट्ट व उसके पूर्वजों का पूर्ण विवरण दिया गया है।

12. "दैनिक भास्कर" दिनांक 2.3.2005 में श्री निरंजन शुक्ला ने कई शिर्षकों से इस जाति का पूर्ण परिचय दिया है तथा इसमें करीब 30 प्रतिभाओं का भी वर्णन किया गया है।

13. "हाटकेश्वर टाइम्स" पत्रिका जो भोपाल से प्रकाशित होती थी (अब बन्द है) में लिखा है कि इस जाति की पूरी जानकारी प्रेमचन्द राव पो. ठिठोला जिला नागोर के पास है।

14. "हाटकेश्वर जनमत" पत्रिका फरवरी 2000 में श्री नन्दकिशोर गुप्ता – बड़वानी (म.प्र.) का "दशोरा नागर – एक परिचय" नाम से एक लेख प्रकाशित हुआ है जिसमें इस जाति का पूर्ण परिचय दिया गया है।

15. श्री रूपलाल चौहान तथा श्री श्याम सुन्दर लाल कश्यप का एक लेख "मन्दसोर में दशोरा जाति का पुनर्प्रवेश" प्रकाशित हुआ है जिसमें इस जाति का विवरण दिया गया है।

16. उदयपुर के राजमहल से सन् 1990 ई. में एक केलेण्डर प्रकाशित हुआ है जिसमें "मेवाड़ रत्न" नाम से एकनाथ व महेश भट्ट का वर्णन है।

17. मैंने मालवा के दशोरा (महाजन) समुदाय से जानकारी लेने हेतु एक पत्र भेजा था कि "ये दशोरा महाजन कौन है ?" जो "हाटकेश्वर टाइम्स" में सितम्बर 92 में प्रकाशित हुआ था। इसके उत्तर में श्री कृष्णदास दशोरे द्वारकापुरी इन्दोर ने इसकी विस्तृत जानकारी दी।

18. अन्यत्र भी इस जाति के विषय में काफी सामग्री उपलब्ध है जो इस जाति की गरिमा को प्रकट करता है।

19. लेखक का उद्देश्य इस जाति के वास्तविक स्वरूप व इसकी गरिमा को उजागर करना है। यदि जाति बन्धुओं का सहयोग प्राप्त होता रहा तो और भी आगे कुछ कार्य किया जा सकता है।

20. लेखक (नन्द लाल दशोरा) की पुस्तक "दशोरा जाति–इतिहास एवं परिचय" में मेवाड़ की इस दशोरा जाति का पूर्ण विवरण दिया गया है।

21. श्री चन्द्रभूषण त्रिवेदी के ग्रन्थ 'दशपुर' के पृष्ठ संख्या 120 पर दशोरा जाति का उल्लेख है कि "यहां के ब्राह्मण दशोरा कहलायें।"

22. इण्टरनेट पर इस जाति के कई प्रसिद्ध व्यक्तियों का विवरण उपलब्ध है।

23. महाराणा फतहसिंह जी ने सन् 1905 ई. में इस दशोरा जाति की तहकीकात कराई थी जिसमें उदयपुर के इस जाति वालों ने इस जातिका पूर्ण परिचय दिया है जो "दशोरा जाति इतिहास" के प्रथम संस्करण में लेखक ने दिया गया है।